>

Title: Need to take stringent steps against the persons indulging in fake currency note circulation in the country.

श्री जयवंत गंगाराम आवले (लातूर): सभापति महोदय, देश में नकली नोटों का कारोबार सरकार और सुरक्षा एजेंसियों के तमाम दावों के बाद भी लगातार बढ़ रहा है। खास तौर पर राजधानी दिल्ली में पिछले दो सालों में नकली नोटों का प्रचलन बड़े पैमाने पर बढ़ा है। हाल ही में दिल्ली में 1 करोड़ 34 लाख 58 हजार 80 रुपये की कीमत के 31 हजार 969 नकली नोट जब्त किये जा चुके हैं। दिल्ली में नकली नोटों के 16 और तमिलनाडु में 172 मामले दर्ज हैं। नकली नोटों के मामले में महाराष्ट्र सबसे आगे है। लगभग 150 करोड़ रुपये की कीमत के 33 हजार 567 नकली नोट जब्त हुए हैं और 154 मामले दर्ज हैं। इस तरह पूरे देश में नकली नोटों का कारोबार फैल गया है, जो चिन्ता का विषय है। देश को जितना गंभीर खतरा आतंकवाद और नक्सलवाद से है, उससे कहीं ज्यादा बड़ा खतरा नकली नोटों से है। नकली करेंसी आतंकी संगठनों के काम आ रही है और देश की अर्थव्यवस्था को खोखला कर रही है। आम आदमी का विश्वास अपनी करेंसी से उठ रहा है। दिल्ली, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात आदि राज्यों में नकली नोटों का कारोबार बड़े पैमाने पर हो रहा है।

अतः हमारी सरकार से मांग है कि देश में नकली नोटों के कारोबारियों के खिलाफ सख्त कदम उठाये जायें।